Seventeenth Loksabha

an>

Title: Need to take steps to save polymer industry in the country.

श्री गणेश सिंह (सतना) : सभापति महोदय, मैं आपका बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं। मैं आपके माध्यम से माननीय संबंधित मंत्री जी का ध्यान प्लास्टिक उद्योगों (पोलीमार इंडस्ट्री) की ओर दिलाना चाहता हूं। प्लास्टिक उद्योग एमएसएमई के अंतर्गत आते हैं, लेकिन वे इस वक्त गंभीर संकट से गुजर रहे हैं। आत्मनिर्भर भारत मिशन के तहत देश में बड़ी संख्या में छोटे-छोटे प्लास्टिक उद्योग विनिर्माण करके देश की जरूरत को पूरा कर रहे हैं। इन उद्योगों के चलते कच्चा माल (प्लास्टिक दाने) जैसे पीबीसी, रेग्जीन, एलएलडीई, एचडीपीई और पीपी की कीमतों में 95 प्रतिशत से भी अधिक बढ़ोतरी हुई है।

कोविड काल के पहले इनकी कीमत उदाहरण स्वरूप 70 रुपये प्रति किलो थी। अचानक इनके दामों में 130 रुपये प्रति किलो की बढ़ोतरी हो गई है, जिससे सारे प्लास्टिक उद्योग संकट में आ गए हैं। कच्चे माल में देश में पूर्णतः एक विशेष कंपनी का एकाधिकार है। पड़ोसी देशों से जो आयात होता था, वह पूर्णतः बंद है। बढ़ोतरी की गई कीमतों को तत्काल कम किया जाए, अन्यथा बड़ी संख्या में छोटे-छोटे प्लास्टिक उद्योग बंद हो जाएंगे। जिन लोगों ने बैंक से कर्ज लिया है, वे कर्ज नहीं दे पाएंगे। प्लास्टिक से बने हुए उत्पाद के दाम बढ़ जाएंगे, जिससे उपभोक्ता परेशान हो जाएंगे।।

मेरी माननीय मंत्री जी से यह मांग है कि कच्चे माल में बेतहाशा बढ़े हुए मूल्य को नियंत्रित करने के लिए या तो कच्चा माल जैसे पीबीसी, रेग्जीन, एलएलडीई, एचडीपीई और पीपी को पड़ोसी देशों से आयात करने की अनुमति प्रदान की जाए। इसके साथ ही एंटी डम्पिंग ड्यूटी जो बीआईए स्टैण्डर्ड पर लगाई गई है, उसे हटाकर इम्पोर्ट ड्यूटी को कम किया जाए या पेट्रोकेमिकल प्रोडक्ट के निर्यात पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाया जाए ।